दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

29-30 मार्च, 2015

आधुनिक जीवन में मूल्य संकट: समाज वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और हस्तक्षेप

आयोजक

मनोविज्ञान विभाग,

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,

वर्धा (महाराष्ट्र)

प्रायोजक

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

मूल्य सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन की आधारशिला होती है। हमारे समाज की प्रगति की दिशा मूल्यों द्वारा ही संचालित होती है। मूल्यों के आधार पर ही समाज के जीवन में विविध व्यवहार एवं अन्तःक्रियायें आकार लेती हैं। वस्तुत: मूल्य ही समाज विशेष की कार्य संस्कृति, नैतिकता, पारस्परिक सम्बन्ध आदि की प्राथमिक इकाई है। आज के बदलते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, भारतीय समाज मूल्यों से सम्बंधित कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। मूल्यों के क्षरण को लेकर शिक्षाविद, लेखक, नीति निर्माता, प्रशासक और मीडिया के द्वारा प्रायः चिंताजनक टिप्पणियां की जाती रही हैं। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को लेकर मूल्य-संकट की प्रवृति गम्भीरतर होती जा रही है।

मूल्य सामान्य रूप से व्यक्तिगत और सांस्कृतिक आदर्शों या वांछित के रूप में ग्रहण किया जाता है। सामान्यत: मूल्यों में वरीयताओं सामान्यीकृत और अपेक्षाकृत स्थायी विश्वासों, वांछनीय और अवांछनीय विषय के रूप में देखा जाता है। मूल्य, मार्गदर्शक और व्यवहार के स्वरूप के निर्धारण करने के लिए मानक के रूप में काम करते हैं। वे लोगों के व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को और सुव्यवस्थित बनाते है। लोग अक्सर मानव समूहों में कुछ साझा मूल्यों को विकसित करते हैं, वे अनिवार्य रूप से पसंद की गई आचार-विचार और वांछनीय और अवांछनीय मामलों से समाज की धारणाएं निर्धारित करते हैं। मूल्य किसी भी समाज के लिए उत्पदनोन्मुख, सर्जनात्मक वातावरण तैयार करने के लिए एक अनिवार्य घटक हैं। मूल्यों का निर्माण एवं सुदृढीकरण एक लम्बी मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है इसमें बहुत समय लगता है एवं परिवर्तनीय समय के अनुसार इसमें संशोधन एवं परिष्कार करने की आवश्यकता पड़ती है।

वर्तमान समय में जब जीवन मूल्यों का ह्रास हो रहा है एवं सार्वभौमिक जीवनमूल्य, भौतिकता से परास्त हो रहे हैं। आज लोग जीवन मूल्यों के द्वंद में जी रहें हैं एवं विसंगतियों का अनुभव कर रहें हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि ऐसी मूल्य संस्कृति का विकास किया जाये जो नैतिकता एवं स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना से प्रेरित हो कर विकासोन्मुख सर्वांगीण धारणीय (सस्टेनबुल) विकास करने में सक्षम हो। यह एक बड़ी चुनौती है कि किस प्रकार ऐसी मूल्य व संस्कृति तैयार की जाये जो मूल्यपोषित, विकासोन्मुख, सहयोगात्मक एवं कार्यदक्षता से परिपूर्ण वातावरण तैयार कर सके तथा समाज वैज्ञानिक इस पृष्ठभूमि में इस संगोष्ठी में, यह प्रयास होगा कि हम मूल्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मनोवैज्ञानिक चिंतन कर सके। साथ ही साथ तर्कसंगत शोधपरक तरीकों से मानव जीवन और उनकी समस्याओ का विश्लेषण करने के लिए और मूल्य शिक्षा के लिए, कुछ और दिशा निर्देशों का पता लगाया जा सके, जिससे एक अच्छे समाज की स्थापना में सहायक हों। इस संगोष्ठी के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हम देश के विभिन्न संस्थाओ से प्रतिभागियों को अत्यधिक संख्या में आमंत्रित कर रहे हैं। संगोष्ठी में, संगोष्ठी की केन्द्रित चर्चाओं के दौरान विभिन्न मुद्दों में प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी होगी।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य मनोविज्ञान के क्षेत्र में काम कर रहे शोधकर्ताओं को एक साथ एक मंच पर लाने का प्रयास होगा। संगोष्ठी में, निम्नलिखित मुख्य क्षेत्रों को लिया जाएगा, लेकिन क्षेत्र सीमित नहीं होगा।

विचारणीय विषय सूची:

1) आधुनिक समाज और मूल्य संकट	2) भारतीय मानवीय मूल्य की संकल्पना
3) मानवीय व्यवहार और नैतिकता	4) शिक्षा और मूल्य शिक्षा
5) मूल्य नैतिकता और पर्यावरण	6) सामाजिक परिवर्तन
7) न्याय और मानवीय मूल्य	8) प्रकृति और मानवीय जीवन
9) आत्म-विस्तार और मूल्य शिक्षा	10) व्यावसायिक जीवन में मूल्य-समस्या और समाधान
11) मूल्य का विकास	12) मूल्य अनुसंधान एवं समाजविकास
13) मूल्य, नैतिकता एवं बाजारवाद का मनोविज्ञान	14) जीवन शैली और मूल्य
15) संगठनात्मक एवं व्यवसायिक मूल्य	

लेखक के दिशानिर्देश

व्यक्तिगत पेपर प्रस्तुति : चर्चा सहित 20 मिनट
पोस्टर प्रस्तुति : चयनित पोस्टर प्रदर्शित किया जाएगा और सम्मेलन में भाग लेने वाले सहभागियों का पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं के साथ बातचीत करने के लिए सत्र की स्थापना की जाएगी।

सारांश के लिए दिशा निर्देश (मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति) : एक सारांश अधिकतम 250 शब्दों के साथ हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों प्रारूपों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। अनुभवजन्य शोध पत्र के सारांश, उद्देश्य, सैद्धांतिक और वैचारिक ढांचे, कार्यप्रणाली (अनुसंधान प्रश्न और परिकल्पना, प्रतिदर्श, अनुसंधान उपकरण और डिजाइन, विश्लेषण के लिए उपकरण), नैतिक आधार यदि कोई हो, मुख्य निष्कर्षों और नीति या अभ्यास के लिए निहितार्थ का उल्लेख करना होगा। सैद्धांतिक पत्र उद्देश्य, थीसिस, आयोजन का निर्माण, शोध पत्र की गुंजाइश, जिस प्रदत का प्रयोग किया उसके स्रोतों और निष्कर्ष संक्षेप में उल्लेख किया गया हो। जिसमें विशेष संगोष्ठी विषयों पर आप शामिल करने के लिए अपने सारांश अपनी इच्छा (नीचे देखें) से दे सकते हैं। शीर्षक में संक्षिप्त रूपों का इस्तेमाल न करें। एक पंक्ति रिक्ति के साथ शोध पत्र के लिए 12 Arial Unicode MS फॉन्ट का प्रयोग करें।

नोट: सभी प्रस्तुतियाँ (व्यक्तिगत शोध पत्र और संगोष्ठी के प्रस्तावों) निम्नलिखित संकेतकों का उपयोग वैज्ञानिक समिति द्वारा समीक्षा की जाएगी : समस्या की स्पष्टता, नवीनता और अध्ययन के नए मूल्य, प्रासंगिकता भारतीय समाज के लिए, प्रयोग किया गया सैद्धांतिक और अनुसंधान पद्धतियाँ, सैद्धांतिक तर्क, पिछले काम और निष्कर्ष, स्पष्टता और सैद्धांतिक अध्ययन, और व्यावहारिक निहितार्थ से उभरते विचारों के समग्र संगठन और सैद्धांतिक तर्क की समीक्षा का समर्थन किया गया हो।

सारांश प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा: 10 मार्च, 2015
सारांश स्वीकृति के लिए संचार: 12 मार्च, 2015
सम्पूर्ण शोधपत्र भेजने के लिए समय सीमा: 20 मार्च, 2015

संपर्क सूत्र:

डा. अमित कुमार त्रिपाठी, 09532475338
(आयोजन सचिव)
डॉ. अरुण प्रताप सिंह, 09675369947
(संयोजक)

seminarpsymgahv@gmail.com
www.hindivishwa.org

मनोविज्ञान विभाग,

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र), द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (29-30 मार्च, 2015)

विषय : आधुनिक जीवन में मूल्य संकट: समाज वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और हस्तक्षेप

प्रायोजक: भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

पंजीकरण प्रपत्र

(पूर्ण रूप से भरा हुआ प्रपत्र 10 मार्च 2015 तक विभाग को प्राप्त हो जाना चाहिए)

1. नाम: .....
2. पद : .....
3. विभाग: .....
4. पत्राचार का पता: .....

   .....

   .....पिन: .....

   फोन/मोबाइल: .....
5. ई-मेल: .....

प्रतिभागी का हस्ताक्षर

स्थान:

दिनांक:

पंजीकरण शुल्क:

शोध विद्यार्थी 300/-

अध्यापक 700/-

(पंजीकरण शुल्क आयोजन स्थल पर ही देय होगा)

पूर्ण रूप से भरा हुआ प्रपत्र स्कैन कर निम्नलिखित ई-मेल पर भेजें: seminarpsymgahv@gmail.com

संपर्क सूत्र:

डा. अमित कुमार त्रिपाठी, (आयोजन सचिव) 09532475338

डॉ. अरुण प्रताप सिंह, (संयोजक) 09675369947

अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org अवश्य देखें।